गिफ्ट सिटी में जिंस ट्रेडिंग को बढ़ावा

आईएफएससीए यहां कमोडिटी ट्रेडिंग केंद्र विकसित करेगा और चाह रहा व्यापक नियामकीय बदलाव

खुशबू तिवारी
मुंबई, 2 जनवरी

बनेगा जिंस डेरिवेटिव केंद्र

- विशेषज्ञ समिति का कहना है कि जिंस कारोबार को आईएफएससीए अधिनियम के तहत वित्तीय प्रोडक्ट के रूप में अधिसूचित किया जाए, साथ ही भंडारण और जिंस ब्रोकिंग को वित्तीय सेवाओं के रूप में माना जाए
- समिति ने नियमों में संशोधन का सुझाव भी दिया है ताकि आईएफएससीए को उन जिंसों की सूची अधिसूचित करने का अधिकार मिल सके, जिनके डेरिवेटिव जारी किए जा सकते हैं

कमोडिटी ट्रेडिंग में भारत अपनी स्थिति को फिर से हासिल करने का प्रयास कर रहा है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण (आईएफएससीए) ने सरकार से कमोडिटी ट्रेडिंग को बढ़ावा देने और गिफ्ट-आईएफएससी में सहभागिता बढ़ाने के लिए कई नियामकीय बदलावों की मांग की है।

ये प्रस्ताव विशेषज्ञ समिति की पूर्व रिपोर्ट से लिए गए हैं। इन प्रस्तावों का मकसद गुजरात स्थित वित्तीय केंद्र को जिंस कारोबार के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। एक प्रमुख सिफारिश यह है कि जिंस कारोबार को आईएफएससीए अधिनियम के तहत वित्तीय प्रोडक्ट के रूप में अधिसूचित किया जाए, साथ ही भंडारण और जिंस ब्रोकिंग को वित्तीय सेवाओं के रूप में माना जाए।

प्राधिकरण के अनुसार, इस बदलाव से कमोडिटी बाजार एक एकीकृत नियामक ढांचे के तहत आ जाएंगे। गिफ्ट सिटी के प्रबंध निदेशक (एमडी) और ग्रुप मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) संजय कौल ने कहा, इसकी मुख्य सिफारिश कमोडिटी और कमोडिटी डेरिवेटिव को आईएफएससीए अधिनियम के तहत वित्तीय प्रोडक्ट के रूप में अधिसूचित करने की है। इससे एक अकेला एकीकृत ढांचा बनेगा जिसके दायरे में एक्सचेंज-ट्रेडेड, ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) और स्ट्रक्चर्ड कमोडिटी उत्पाद आ सकेंगे। इससे अलग-अलग नियामकों के नियम कम होंगे और अन्य आईएफएससी की तुलना में पूंजी दक्षता में सुधार होगा।

समिति ने नियमों में संशोधन का सुझाव भी दिया है ताकि आईएफएससीए को उन जिंसों की सूची अधिसूचित करने का अधिकार मिल सके, जिनके डेरिवेटिव जारी किए जा सकते हैं। इस तरह मंजूर अनुबंधों का दायरा बढ़ जाएगा। अभी सूची में 104 जिंस शामिल हैं, जिनके बारे में समिति ने कहा कि इनके डेरिवेटिव जारी करने की अनुमति को लेकर अस्पष्टता बनी हुई है।

एक अन्य महत्वपूर्ण प्रस्ताव जिंसों की व्यापक परिभाषा अपनाना है, जिसके लिए प्रतिबंध सूची का नजरिया अपनाना होगा यानी उन सभी जिंसों में कारोबार की इजाजत देना जिन पर स्पष्ट रूप से प्रतिबंध नहीं है।

कौल ने कहा, समिति ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेंचमार्क वाले, नकद निपटान और डिलिवरी योग्य कमोडिटी डेरिवेटिव के विकास का भी प्रस्ताव किया, जिससे गिफ्ट-आईएफएससी उन कमोडिटीज के लिए कीमत तय करने वाले और हेजिंग केंद्र के रूप में विकसित हो सके, जो स्वाभाविक रूप से भारत से जुड़ी हैं। इसके अलावा, केंद्रीय समाशोधन और नेटिंग के साथ ओवर-द-काउंटर कमोडिटी डेरिवेटिव, कमोडिटी-लिंक्ड नोट्स, इंडेक्स और फंडों को सक्षम बनाने से वैश्विक बैंक, ट्रेडिंग हाउस और ऐसेट मैनेजर भी आकर्षित होंगे।

हालांकि, उद्योग विशेषज्ञों ने बताया कि इन सिफारिशों को लागू करने के लिए कई मंत्रालयों से अनुमोदन लेना होगा और अंतर-विभागीय रूप से व्यापक परामर्श की जरूरत होगी। विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के तहत आईएफएससी में कार्यरत इकाइयों को विदेशी संस्थाओं के रूप में माना जाता है, लेकिन वे विदेशी व्यापार (विकास एवं नियमन) अधिनियम, 1992 और विदेश व्यापार महानिदेशालय की विदेश व्यापार नीति से प्रशासित होती हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि कर प्रोत्साहन दिया जाए और आईएफएससी बैंकों को प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के रूप में कमोडिटी ट्रेडिंग की अनुमति दी जाए। इसमें उल्लेख किया गया है कि प्रमुख भारतीय कमोडिटी ट्रेडर दुबई, सिंगापुर और हॉन्गकॉन्ग जैसे केंद्रों की ओर लगातार पलायन कर रहे हैं, जिसका कारण क्रेडिट की आसान उपलब्धता, निर्बाध बैंकिंग और ज्यादा अनुकूल नियामकीय व्यवस्थाएं हैं।

एक्सचेंजों और अन्य बाजार संस्थाओं के लिए बन रहा तकनीकी रोडमैप

खुशबू तिवारी
मुंबई, 2 जनवरी

सेबी स्टॉक एक्सचेंजों, क्लियरिंग कॉरपोरेशन और डिपॉजिटरी जैसे मार्केट इन्फ्रास्ट्रक्चर संस्थानों (एमआईआई) के लिए प्रौद्योगिकी रोडमैप विकसित करने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए वह एक कार्यसमूह की योजना बना रहा है। सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

सेंसेक्स के 40 वर्ष पूरे होने के मौके पर आयोजित समारोह में पांडेय ने निगरानी के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस टूल विकसित करने की योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा, सेबी एमआईआई के लिए प्रौद्योगिकी रोडमैप विकसित करने के लिए कार्यकारी समिति गठित करने की प्रक्रिया में है। यह रोडमैप एमआईआई को प्रतिभूति बाजार से जुड़े समूचे तंत्र के लिए एक ढांचा मुहैया कराएगा, साथ ही पांच और दस साल के लिहाज से प्रौद्योगिकी संबंधी विजन भी देगा।

एमआईआई को मजबूत करने पर जोर देते हुए सेबी चेयरमैन ने तेजी से विकसित हो रहे बाजार इकोसिस्टम के अनुरूप प्रौद्योगिकी, जोखिम प्रबंधन और साइबर मजबूती में निवेश का आह्वान किया। पांडेय ने नवाचार के साथ-साथ निवेशक संरक्षण पर जोर दिया और कहा कि बाजार के विकास का अगला चरण न केवल आकार से बल्कि गुणवत्ता जैसी चीजों से भी परिभाषित होगा।

सेबी के चेयरमैन ने नियामक के प्रौद्योगिकी-आधारित उपायों का भी विस्तार से ब्योरा दिया। इनमें जालसाजों का पता लगाने के लिए एआई-संचालित बाजार निगरानी प्रणाली, परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनियों के विज्ञापनों की निगरानी और विश्लेषण के लिए एआई-संचालित विज्ञापन दर्शक और सूचीबद्ध संस्थाओं के खुलासों की निगरानी के लिए टूल शामिल हैं।

पांडेय ने कहा, नियामक के तहत आने वाली इकाइयों की जोखिम-आधारित निगरानी मजबूत करने के लिए एआई-संचालित निरीक्षण टूल विकसित किया जा रहा है। यह टूल साइबर ऑडिट रिपोर्टों का विश्लेषण करेगा, नियंत्रण की कमियों को बताएगा और जोखिम के आधार पर संस्थाओं को वर्गीकृत करेगा, जिससे निगरानी मजबूत होगी।

सेंसेक्स के सफर पर सेबी के चेयरमैन ने कहा, पिछले चार दशकों में सेंसेक्स एक मजबूत बाजार सूचक के रूप में समय की कसौटी पर खरा उतरा है। वह भारत के आर्थिक परिवर्तन और हमारे पूंजी बाजारों की बढ़ती परिपक्वता दर्शाता है। जैसे-जैसे भारत में उदारीकरण आया और वह वैश्विक बाजारों के साथ जुड़ा, यह सूचकांक भी अर्थव्यवस्था के साथ-साथ विकसित हुआ। उन्होंने कहा कि सूचकांक की बदलती संरचना निजी उद्यमों के उदय, पारंपरिक उद्योगों से सेवाओं, वित्त और प्रौद्योगिकी की ओर बदलाव और घरेलू बाजारों तथा वैश्विक पूंजी के बीच गहरे संबंधों को दर्शाती है।

सेबी प्रमुख ने विश्व युद्धों, डॉट कॉम बुलबुले के फटने और कोविड-19 जैसे वैश्विक संकटों में भारतीय बाजार तंत्र की मजबूती का जिक्र करते हुए कहा, स्थायी बाजार क्षणिक ऊंचाइयों या आशावाद के चक्रों पर नहीं बनते। वे प्रेरणा देने वाली संस्थाओं, बाजारों और प्रणालियों में विकसित होने वाले नियमों और फिर निरंतर अनुकूलन और उन्नयन पर आधारित होते हैं।

बिजनेस स्टैंडर्ड से बात करते हुए बीएसई के एमडी और सीईओ सुंदररमन राममूर्ति ने कहा, भारतीय बाजार आज ऐसे मुकाम पर हैं, जहां पूंजी सृजन और बाजार विकास में आम आदमी की भागीदारी जरूरी है। मेरे विचार से आम आदमी के लिए बाजार में अपना और देश का योगदान देने का सबसे सुरक्षित तरीका सूचकांकों में निवेश करना है।

आय सुधार की उम्मीदों से नई ऊंचाई पर निफ्टी

बीएस संवाददाता
मुंबई, 2 जनवरी

समकक्ष सूचकांकों में तेजी और दिसंबर तिमाही में कंपनियों की आय में सुधार की उम्मीदों के चलते भारतीय शेयर बाजार में शुक्रवार को बढ़त दर्ज की गई और बेंचमार्क निफ्टी ने नए ऊंचे स्तर को छुआ। बेंचमार्क निफ्टी सत्र के अंत में 26,329 पर बंद हुआ और उसमें 182 अंकों यानी 0.7 फीसदी की बढ़त हुई। 50 शेयरों वाले इस बेंचमार्क ने बंद और दिन के कारोबार दोनों आधार पर नया उच्चस्तर हासिल किया। सत्र के अंत में सेंसेक्स 85,762 पर बंद हुआ, जिसमें 573 अंकों यानी 0.7 फीसदी की बढ़त हुई। सप्ताह भर में सेंसेक्स में 0.9 फीसदी और निफ्टी में 1.1 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई।

शुक्रवार को ब्रिटेन का एफटीएसई 100, सिंगापुर का स्ट्रेट टाइम्स इंडेक्स और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी उन प्रमुख सूचकांकों में शामिल थे, जिन्होंने इंट्राडे में नए रिकॉर्ड बनाए। निवेशकों को उम्मीद है कि वस्तु एवं सेवा कर के युक्तिकरण और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती जैसे उपायों का असर दिसंबर तिमाही में कंपनियों के बेहतर नतीजों में दिखेगा।

जियोजित फाइनैंशियल सर्विसेज के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा, राष्ट्रीय बाजार ने सप्ताह के अंत में सकारात्मक रुख के साथ समापन किया और सर्वकालिक उच्च स्तर को छुआ। ऑटो और सार्वजनिक बैंकिंग क्षेत्रों में मजबूत गति देखी गई, जबकि यूटिलिटी में सेक्टर के हिसाब से फेरबदल देखने को मिला। दिसंबर में वाहन बिक्री में मजबूती से त्योहारी तिमाही के दौरान आर्थिक गतिविधियों में व्यापक उछाल का संकेत मिलता है। परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार और ऋण वृद्धि में तेजी की उम्मीदों ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के शेयरों में निवेशकों की दिलचस्पी को आकर्षित किया।

बाजार में चढ़ने और गिरने वाले शेयरों का अनुपात मजबूत रहा। बीएसई पर 2,711 शेयर चढ़े जबकि 1,524 में गिरावट आई। एचडीएफसी बैंक के शेयर 1.05 फीसदी चढ़े और उसने सूचकांक में सबसे अधिक योगदान दिया। इसके बाद आईसीआईसीआई बैंक का स्थान रहा जिसके शेयर 1.3 फीसदी बढ़े। आईटीसी के शेयर 3.8 फीसदी गिरे जिसने सूचकांक को नीचे खींचा। केंद्र सरकार के अगले महीने से तंबाकू उत्पादों पर नई कर व्यवस्था लागू करने की घोषणा के बाद पिछले दो सत्रों में आईटीसी के शेयरों में काफी गिरावट आई है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनैंशियल सर्विसेज के अनुसंधान प्रमुख (वेल्थ मैनेजमेंट) सिद्धार्थ खेमका ने कहा, आगामी तीसरी तिमाही के नतीजों को लेकर उम्मीदें और केंद्रीय बजट में सहायक नीतिगत उपायों ने समग्र बाजार भावना को सकारात्मक बनाने में मदद की है। व्यापक बाजार में बेहतर भागीदारी, विशेष रूप से मिड-कैप शेयरों में चुनिंदा खरीदारी प्रमुख कारक रही है। हमें उम्मीद है कि कई कंपनियां अपने तिमाही-पूर्व कारोबारी अपडेट की घोषणा करेंगी जिससे यह सकारात्मकता अगले सप्ताह भी जारी रह सकती है।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक 290 करोड़ रुपये के शुद्ध खरीदार रहे जबकि जबकि घरेलू संस्थानों ने 677 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

कंपनियों की डॉलर मांग से रुपया फिर 90 के पार

अंजलि कुमारी
मुंबई, 2 जनवरी

डॉलर के मुकाबले रुपये में शुक्रवार को गिरावट आई और यह 90 के मनोवैज्ञानिक स्तर से नीचे कारोबार कर रहा था। इसकी वजह कंपनियों की निरंतर डॉलर मांग रही। अमेरिका में छुट्टी होने के कारण कारोबार का वॉल्यूम कम रहा, जिससे दिन के दौरान उतार-चढ़ाव और कम करने में मदद मिली। डीलरों ने यह जानकारी दी। स्थानीय मुद्रा डॉलर के मुकाबले 90.21 पर टिकी, जबकि एक दिन पहले यह 89.97 पर बंद हुई थी।

फिनरेक्स ट्रेजरी एडवाइजर्स एलएलपी के ट्रेजरी प्रमुख और कार्यकारी निदेशक अनिल कुमार भंसाली ने कहा, रुपये ने 90 प्रति डॉलर के स्तर को तोड़ दिया। इस स्तर पर अधिकतम स्टॉप लॉस थे। आरबीआई ने इस स्तर को छोड़ दिया और रुपये को 90.23 प्रति डॉलर की ओर जाने दिया। आरबीआई 19 दिसंबर से इस स्तर की रक्षा कर रहा था, लेकिन अंततः उसे यह स्तर छोड़ना पड़ा क्योंकि ऋण और इक्विटी में एफपीआई की निकासी जारी रही। आयातकों ने निचले स्तरों पर 89.30 प्रति डॉलर तक हेजिंग की, लेकिन आरबीआई की शॉर्ट पोजीशन ने रुपये में किसी भी तेजी को लेकर बाजार को सतर्क रखा है। आरबीआई को संबंधित तिथि पर डॉलर खरीदने होंगे क्योंकि नवंबर में शॉर्ट पोजीशन बढ़कर 66 अरब डॉलर पर पहुंच गई हैं।

आरबीआई के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार रुपये के फॉरवर्ड मार्केट में केंद्रीय बैंक की बकाया नेट शॉर्ट डॉलर पोजीशन नवंबर के अंत तक बढ़कर 66.04 अरब डॉलर हो गई जबकि अक्टूबर के अंत तक यह 63.6 अरब डॉलर थी।

2025 में स्थानीय मुद्रा में 4.74 फीसदी की गिरावट आई है और यह एशियाई मुद्राओं में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में से एक बनकर उभरी है। यह कमजोरी अमेरिकी व्यापार नीतियों को लेकर अनिश्चितता, अमेरिका व जापान जैसे विकसित बाजारों में लगातार ऊंची ब्याज दरें (कैरी ट्रेड पूंजी के प्रमुख स्रोत) और विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की निरंतर निवेश निकासी के कारण आई क्योंकि

वैश्विक पूंजी ज्यादा प्रतिफल वाले बाजारों की ओर जा रही थी।

दूसरी ओर, सरकारी खर्च के चलते दो सप्ताह बाद बुधवार को बैंकिंग प्रणाली में शुद्ध तरलता अधिशेष में पहुंच गई। बुधवार और गुरुवार को शुद्ध तरलता का अधिशेष क्रमशः 17,335 करोड़ रुपये और 23,865 करोड़ रुपये रहा।

हालांकि 20 जनवरी के आसपास जीएसटी से करीब 1 लाख करोड़ रुपये की निकासी निकट भविष्य में मुख्य समस्या होगी, लेकिन अग्रिम कर भुगतान न होने और भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जनवरी में निर्धारित 1.5 लाख करोड़ रुपये की ओएमओ खरीद और 10 अरब डॉलर के बाय-सेल स्वैप के कारण सिस्टम में तरलता अधिशेष में रहने की उम्मीद है। लेकिन तरलता को सकारात्मक बनाए रखने के लिए (जो एनडीटीएल की करीब 1 फीसदी है) आरबीआई को फरवरी और मार्च के बीच करीब 1 लाख करोड़ रुपये के अतिरिक्त ओएमओ की आवश्यकता हो सकती है क्योंकि विदेशी मुद्रा हस्तक्षेप से संबंधित निकासी जारी रहेगी। मार्च तिमाही में मुद्रा की मांग आमतौर पर बढ़ भी जाती है।

इस बीच, 26 दिसंबर को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 3.2 अरब डॉलर बढ़कर 696.6 अरब डॉलर पर पहुंच गया। कुल भंडार में वृद्धि मुख्य रूप से स्वर्ण भंडार में हुई, जो इस सप्ताह के दौरान 2.95 अरब डॉलर बढ़ गया। इसी अवधि में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में 18.4 करोड़ डॉलर की वृद्धि हुई। सितंबर 2024 में भंडार रिकॉर्ड 705 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंच गया था।

ब्याज कटौती की उम्मीदों से कीमती धातुओं की मजबूत शुरुआत

रॉयटर्स

कीमती धातुओं ने शुक्रवार को नए साल की शुरुआत मजबूती से की। साल के अंत में आई गिरावट से उबरते हुए प्रमुख शक्तियों के बीच तनाव और अमेरिकी ब्याज दर में कटौती की उम्मीदों ने निवेशकों की सोने की मांग को बढ़ा दिया।

हाजिर सोना 13.22 बजे (जीएमटी) तक 1.7 फीसदी बढ़कर 4,387.58 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया जबकि 26 दिसंबर को यह 4,549.71 डॉलर के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचा था और बुधवार को यह दो सप्ताह के निचले स्तर पर आ गया था। फरवरी डिलिवरी के लिए अमेरिकी गोल्ड वायदा 1.3 फीसदी बढ़कर 4,399.20 डॉलर प्रति औंस हो गया।

एफएक्सटीएम में वरिष्ठ अनुसंधान विश्लेषक लुकमान ओटनुगा ने कहा, कीमती धातुओं ने 2026 की शुरुआत बेहद सकारात्मक तरीके से की है। 2025 के आखिरी दिनों में मुनाफावसूली के बाद भू-राजनीतिक जोखिम और इस साल अमेरिकी ब्याज दरों में गिरावट की उम्मीदों से तेजी का माहौल दिख रहा है।

भौतिक मांग के लिहाज से भारत और चीन जैसे प्रमुख बाजारों में लगभग दो महीनों में पहली बार सोने का भाव प्रीमियम पर रहा। हाल में सर्वकालिक उच्च स्तर से आई गिरावट ने खुदरा मांग बढ़ाने में मदद की।

सोमवार को 83.62 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद हाजिर चांदी 3.4 फीसदी बढ़कर 73.71 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई जबकि प्लैटिनम सोमवार को 2,478.50 डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद 3.3 फीसदी बढ़कर 2,121.38 डॉलर प्रति औंस पर जा पहुंचा।

दोनों धातुओं ने अपने अब तक के सर्वश्रेष्ठ वर्ष का रिकॉर्ड बनाया, जिसमें चांदी ने 147 फीसदी की सालाना वृद्धि दर्ज करते हुए अग्रणी भूमिका निभाई। इसका मुख्य कारण अमेरिका में महत्त्वपूर्ण खनिज के रूप में चांदी की पहचान, आपूर्ति में कमी और औद्योगिक एवं निवेश मांग में वृद्धि के बीच कम भंडार था।

THIS IS A PUBLIC ANNOUNCEMENT FOR INFORMATION PURPOSES ONLY AND IS NOT A PROSPECTUS ANNOUNCEMENT AND DOES NOT CONSTITUTE AN INVITATION OR OFFER TO ACQUIRE, PURCHASE OR SUBSCRIBE TO SECURITIES. NOT FOR RELEASE, PUBLICATION OR DISTRIBUTION DIRECTLY OR INDIRECTLY OUTSIDE INDIA. THERE WILL BE NO PUBLIC OFFERING OF EQUITY SHARES IN THE UNITED STATES. INITIAL PUBLIC OFFERING OF EQUITY SHARES ON THE SME PLATFORM OF BSE LIMITED ("BSE SME")

PUBLIC ANNOUNCEMENT

(Please scan this QR code to view the Draft prospectus)

The Journey Begins Here...

FLY-HI MARITIME TRAVELS LIMITED

(formerly known as Fly-Hi Maritime Travels Private Limited)

CIN: U63030DL2021PLC387367

Our Company was originally incorporated as a Private Limited Company under the name of ***"Fly-Hi Maritime Travels Private Limited"*** on September 29, 2021 under the provisions of the Companies Act, 2013 with the Registrar of Companies, Central Registration Centre. Further our Company was converted into Public Limited pursuant to resolution passed by our shareholders at Extra ordinary general meeting held on December 05, 2025 name of our company was changed from ***"Fly-Hi Maritime Travels Private Limited"*** to ***"Fly-Hi Maritime Travels Limited"*** and a fresh Certificate of Incorporation pursuant to conversion into Public Limited dated December 08, 2025 issued by the Registrar of Companies, Central Processing Centre. The CIN of our Company is U63030DL2021PLC387367. For details of incorporation, change of registered office of our Company, please refer to the section title ***"History and Corporate Structure"*** on page no. 164 of this Draft Prospectus.

Registered Office: SF-04, 2nd Floor, Vasant Square Mall, Vasant Kunj, New Delhi- 110070
Telephone: +91- 9152110080; **Website:** www.fhmtravels.in **E-mail:** cs@fhmtravels.in
Contact Person: Ms. Renu Agrawal, Company Secretary and Compliance Officer

OUR PROMOTERS: MR. JITENDRA KUMAR NEGI AND MR. MRIDUL DILIP SINGHVI

DETAILS OF THE ISSUE

INITIAL PUBLIC ISSUE OF UP TO 52,50,000 EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹5/- EACH OF FLY-HI MARITIME TRAVELS LIMITED FOR CASH AT A ISSUE PRICE OF ₹ [●]/- PER EQUITY SHARE (INCLUDING A PREMIUM OF ₹ [●]/- PER EQUITY SHARE) ("ISSUE PRICE") AGGREGATING UP TO ₹ [●] LAKHS COMPRISING OF FRESH ISSUE OF UP TO 42,50,000 EQUITY SHARES AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS ("FRESH ISSUE") AND AN OFFER FOR SALE OF UPTO 10,00,000 EQUITY SHARES BY MR. JITENDRA KUMAR NEGI ("SELLING SHAREHOLDER") AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS ("OFFER FOR SALE") ("THE ISSUE") AND UPTO [●] EQUITY SHARES AT AN ISSUE PRICE OF ₹ [●] PER SHARE AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS WILL BE RESERVED FOR SUBSCRIPTION BY MARKET MAKER ("MARKET MAKER RESERVATION PORTION"). THE ISSUE LESS THE MARKET MAKER RESERVATION PORTION I.E. ISSUE OF UP TO [●] EQUITY SHARES OF FACE VALUE OF ₹ 5/- EACH AT AN ISSUE PRICE OF ₹ [●] PER EQUITY SHARE AGGREGATING TO ₹ [●] LAKHS ("NET ISSUE"). THE ISSUE AND THE NET ISSUE WILL CONSTITUTE [●]% AND [●]% OF THE POST-ISSUE PAID-UP EQUITY SHARE CAPITAL OF OUR COMPANY. PLEASE REFER TO SECTION TITLED *"TERMS OF THE ISSUE"* BEGINNING ON PAGE NO. 241 OF THIS DRAFT PROSPECTUS.

The Issue is being made through the Fixed Price Method In terms of Rule 19(2)(b)(i) of the SCRR this Issue is being made for at least 25% of the post-Issue paid-up Equity Share capital of our Company. This Issue is being made through Fixed Price process in accordance and compliance with Regulation 229(1) of Chapter IX and other applicable provisions of SEBI ICDR Regulations, wherein a minimum 50% of the Net Issue is allocated for Individual Investors and the balance shall be offered to individual investors who applies for minimum application size and other investors including body corporates or institutions. Provided that the unsubscribed portion in either categories may be allocated to applicants in the other category. For further details please refer the section titled *"**Issue Structure**"* beginning on page no. 250 of this Draft Prospectus. All potential investors shall participate in the Issue only through an Application Supported by Blocked Amount **("ASBA")** process providing details about the bank account which will be blocked by the Self-Certified Syndicate Banks **("SCSBs")** for the same. Further pursuant to SEBI circular bearing no. SEBI/HO/CFD/DIL2/CIR/P/2019/76 dated June 28, 2019, for implementation of Phased II for UPI facility, which is effective from July 01, 2019, all potential Bidders (except Anchor Investors) are required to mandatorily utilize the Application Supported by Blocked Amount **("ASBA")** process providing details of their respective ASBA accounts or UPI ID (in case of IIs), in which the corresponding Application Amounts will be blocked by the SCSBs or under the UPI Mechanism, as applicable. For details, please refer chapter titled ***"Issue Procedure"*** beginning on Page no. 253 of this Draft Prospectus. A copy of the Prospectus will be filed with the Registrar of Companies as required under Section 26 of the Companies Act, 2013.

THE ISSUE PRICE IS [●] TIMES OF THE FACE VALUE OF EQUITY SHARES

This public announcement is being made in compliance with the provisions of Regulation 247(2) of the Securities and Exchange Board of India (Issue of Capital and Disclosure Requirements) Regulations, 2018 **("SEBI ICDR Regulations")** to inform the public that our Company is proposing, subject to applicable statutory and regulatory requirements, receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to undertake initial public offering of its Equity Shares pursuant to the Issue and has filed the Draft Prospectus dated December 31, 2025 which has been filed with the SME Platform of BSE Limited **("BSE SME" or "BSE").** In relation to above, the Draft Prospectus filed with BSE shall be made available to the public for comments, if any, for a period of at least 21 days, from the date mentioned below by hosting it on the respective websites of the Stock Exchange i.e., BSE at www.bseindia.com, website of the Company at www.fhmtravels.in and the website of the Lead Manager to the Issue at www.corporatemakers.in. Our Company hereby invites the members of the public to give comments on the Draft Prospectus filed with BSE with respect to disclosures made in the Draft Prospectus. The members of the public are requested to send a copy of their comments to BSE and /or to the Company Secretary and Compliance Officer i,e. cs@fhmtravels.in of our Company and /or the Lead Manager of the issue at their respective addresses mentioned herein below in relation to the issue on or before 5:00 pm. on the 21st day i.e. 21 days from the date of filing of Issue Document with SME Platform of BSE Limited **("BSE SME")**.

Investment in Equity and Equity-related securities involve a degree of risk and investors should not invest any funds in this issue unless they can afford to take the risk of losing their investment

Investors are advised to read the risk factors carefully before taking an investment decision in this issue. For taking an investment decision, investors must rely on their own examination of the issuer and this Issue; including the risks Involved. The Equity Shares have not been recommended or approved by the Securities and Exchange Board of India **("SEBI")**, nor does SEBI guarantee the accuracy or adequacy of the Draft Prospectus. Specific attention of the investors is invited to the statement of ***"Risk Factors"*** given on page no. 34 of the Draft Prospectus, Any decision to invest in the Equity Shares described in the Draft Prospectus may only be made after the Prospectus has been filed with the RoC and must be made solely on the basis of such Prospectus as there may be material changes in the Prospectus from the Draft Prospectus.

The Equity Shares, when offered, through the Prospectus, and proposed to be listed on the SME Platform of BSE Limited **("'BSE SME or BSE)**,

For details of the main objects of our Company as contained in its Memorandum of Association, see ***"History and Corporate Structure"*** on page 164 of the Draft Prospectus.

The liability of the members of our Company is limited. For details of the share capital, capital structure of our Company, the names of the signatories for the Memorandum of Association and the number of shares of our Company subscribed by them of our Company, please see ***"Capital Structure"*** beginning on page 72 of the Draft Prospectus.

CORPORATE MAKERS CAPITAL LIMITED
611, 6Th Floor, Pragati Tower, Rajendra Place, New Delhi- 110008
Telephone: 011 41411600
Email: info@corporatemakers.in;
Website: www.corporatemakers.in
Investor Grievance Email: compliance@corporatemakers.in;
Contact Person: Mr. Rohit Pareek/ Mr. Pawan Mahur
SEBI Registration Number: INM000013095
CIN: U65100DL1994PLC063880

KFINTECH
EXPERIENCE TRANSFORMATION

KFIN TECHNOLOGIES LIMITED
CIN: L72400MH2017PLC444072
Selenium Tower-B, Plot 31 & 32, Gachibowli, Financial District, Nanakramguda, Serili Ngampally, Hyderabad – 500 032
Tel No.: +91 40 6716 2222/ 18003094001 | **Email Id:** flyhi.ipo@kfintech.com
Investor Grievance Email Id: einward.ris@kfintech.com
Contact Person: M Murali Krishna
Website: www.kfintech.com
SEBI Registration No.: INR000000221

All capitalized terms used herein and not specifically defined shall have the same meaning as ascribed in the Draft Prospectus

For Fly-Hi Maritime Travels Limited
On behalf of the Board of Directors
Sd/-
Renu Agrawal
Company Secretary and Compliance Officer

Date – January 02, 2026
Place – New Delhi

Fly-Hi Maritime Travels Limited is proposing, subject to receipt of requisite approvals, market conditions and other considerations, to make an Initial Public Offer of its Equity Shares and has filed the Draft Prospectus with BSE on December 31, 2025, The Draft Prospectus shall be available on the website of the BSE at www.bseindia.com and is available on website of the Company i.e. www.fhmtravels.in,website of the Lead Manager to the issue i.e. Corporate Makers Capital Limited at www.corporatemakers.in. Potential investors should note that investment in Equity shares involves a high degree of risk and for details relating to such risks, please see the section entitled ***"Risk Factors"*** on page no. 34 of the Draft Prospectus and the details set out in the Prospectus, when filed. Potential investors should not rely on the Draft Prospectus for making any investment decision

The Equity Shares offered in the Issue have not been and will not be registered under the U.S. Securities Act, 1933 **(the "U.S. Securities Act")** or any state securities laws in the United States, and may not be offered or sold within the United States, except pursuant to an exemption from, or in a transaction not subject to, the registration requirements of the U.S. Securities Act and applicable state securities laws. Accordingly, the Equity Shares are being offered and sold only outside the United States in offshore transactions in reliance on Regulations and the applicable laws of the jurisdiction where those offer and sales occur. There will be no public offering of the Equity Shares in the United States.